

AFFAIRS (SHRI SWARAN SINGH) :

(a) No, Sir.

(b) Some fear was expressed by FRG that our step would impede FRG's efforts to reach a settlement with GDR and other East European countries. Government are not aware of any adverse reactions in the U. K., U. S. A., and the other Western countries on India's decision to establish consular relations with GDR.

(c) No, Sir. Government do not think that this matter could or should affect India's aid prospects from these countries.

**Participation of Indian Firms in the
Iplex Exhibition in London**

*778. **SHRI G. VENKATASWAMY :**
Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) the total number of Indian firms which have sought permission to participate in the Iplex Exhibition to be held in London in 1971 ;

(b) the names of the firms which have been permitted to participate in the exhibition ; and

(c) the criteria followed in the selection ?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI
RAM SEWAK) :** (a) and (b). Only one firm—namely M/s. Indo-European Machinery Co. Pvt., Bombay who have approached Government in this regard have been allowed to participate.

(c) The standing and capability of the party to meet international commitments and promote exports.

विस्कोज घागे का निर्यात

*779. **श्री श्रीम प्रकाश त्यागी :** क्या बंदेशिक व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे

कि :

(क) इस समय कितने विस्कोज घागे का निर्यात किया जा रहा है;

(ख) क्या उन्हें पता है कि विस्कोज घागे की कमी के कारण अमृतसर, सूरत आदि के छोटे कारखाने अपनी पूरी क्षमता से कार्य नहीं कर रहे हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या लघु उद्योगों के उत्पादन तथा उनके हित को ध्यान में रखते हुए सरकार का विचार विस्कोज घागे के निर्यात पर रोक लगाने का है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

बंदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री रामसेवक) : (क) से (घ). एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

विवरण

वर्ष 1969-70 में लगभग 3 लाख कि० ग्रा० विस्कोज फिलमेंट घागे का भारत से निर्यात किया गया था जबकि अप्रैल-जून, 1970 में इस घागे के लगभग 1.21 लाख कि० ग्रा० का निर्यात हुआ बताते हैं। यह निर्यात इस घागे के उत्पादन का, जो वर्ष 1969 में लगभग 384 लाख कि० ग्रा० था, बहुत थोड़ा अंश बैठता है। कृत्रिम रेशम बुनाई उद्योग में, विशेषतः अमृतसर में, कुछ क्षमता प्रयुक्त रहने के बारे में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं परन्तु यह बताना कठिन है कि यह स्थिति विस्कोज फिलमेंट घागे की कमी के कारण है अथवा यह घागे के थोड़े परिमाण में निर्यात होने के कारण है। इस समय इस बस्तु के निर्यात पर रोक लगाने का कोई विचार नहीं है। फिर भी, सरकार इसके निर्यात को प्रोत्साहन नहीं दे रही है। चौथी पंचवर्षीय योजना के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सीमा तक विस्कोज फिलमेंट घागा उद्योग की क्षमता को और बढ़ाने की अनुमति देने का विनिश्चय किया गया है।